मौखिक

i. पंच - परमेश्वर कहानी के लेखक कौन है ?

पंच - परमेश्वर कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचंद है।

ii. अलगू और जुम्मन शेख क्या करते थे ?

अलगू और जुम्मन शेख दोनो दोस्त और दोनो खेती करते थे।

iii. मौसी ने किसके नाम खेत लिख दिए ?

मौसी ने जुम्मन शेख के नाम खेत लिख दिए।

iv. जुम्मन और उसकी पत्नी मौसी के साथ कैसा व्यवहार करते थे ?

जुम्मन और उसकी पत्नी मौसी के साथ कड़वा तथा बुरा व्यवहार करते थे।

इ. पंचायत कहाँ बैठी ?

~~पंचा~~ संध्या के समय पेड़ के निचे पंचायत बैठी।

च. पंच के मुख से कौन बोलता है ?

पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है।

लिखित

i. किसने कहा, किससे कहा

क) "रुपये क्या यहाँ पलते हैं?" - जुम्मन ने मौसी से,

ख) 'मैं, पंचायत बैठाऊँगी।' - मौसी ने जुम्मन से,

Date
Page

ग 'इसका नाम पंचायत है।'- ग्राम-वासओ ने पंचायत के.

घ. 'पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है।"- ग्राम वासओ ने निर्णय सुनकर पंचायत से।

ङ. 'पंचायत केवल न्याय का पक्ष लेती है।'- अलगु ने पंचायत से।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर

i. मौसी ने खेत जुम्मने के नाम क्यो लिख दिए?

मौसी ने खेत जुम्मन के नाम उस कारण से लिख दिए थे, पहला- वह बूढ़ी हो चुकी थी दूसरा- वह विधवा थी, इसलिए वह खेतो की देखभाल नहीं कर सकती थी। उन्होंने जुम्मन से वादा लिया था कि इसके बदले वह जीवन भर भोजन और वस्त्र देगा उनका जुम्मन के सिवाय कोई नहीं था।

Q ii. मौसी ने पंचायत क्यो बुलाई ?

मौसी को पंचायत जुम्मन के अपने वादों से मुकर जाने के कारण और उसके तथा ~~उसकी~~ उसकी पत्नी के अपमान भरे वचनो तथा ~~व~~ व्यवहार मे बदलाव आने के कारण बुलानी पड़ी। उन्होंने अपने लिए अलग प्रबंध करने के लिए रूपयों की माँग की थी जिसे सुनकर जुम्मन भड़क उठा और उसने रूपयों को देने से मना कर दिया।

iii. अलगू ने पंचायत में क्या निर्णय दिया ?

अलगू ने ~~क~~ मौसी के पक्ष में निर्णय देते हुए कहा कि जुम्मन अपनी मौसी को हर महीने खर्च देंगे ताकि उनकी जिंदगी गुजर सके।

iv. समझु ने अलगू से क्या ~~क~~ खरीदा ?

समझु ने अलगू से एक बैल खरीदा

था। जिसका दाम एक महीने बाद देने की बात तय हुई थी। लेकिन बैल के मर-जाने के बाद समझू बैल का दाम देने से इनकार कर दिया।

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

क) चरित्र चित्रण कीजिए -

i. मौसी - मौसी एक विधवा बूढ़ी औरत थी। उसकी चार खेत थे। लेकिन बूढ़ी होने के कारण वह उन खेतों का देखभाल नहीं कर सकती थी। मौसी एक सच्चोर, सत्य-वादी साफ दिल की स्वाभीमानि औरत थी।

ख
ii. अलगू चौधरी - अलगू चौधरी जुम्मन का दोस्त था। दोनों के बीच गाढ़ी मित्रता थी। न्याय के स्थान पर अलगू ने सत्य का साथ दिया। समझू साह के साथ उसने सत्य के लिए लड़ाई किया। इससे यह जान पड़ता है कि अलगू एक सत्यवादी व्यक्ति है।

जुम्मन शेख - जुम्मन शेख एक किसान था। उसकी मौसी उसे चार खेत दिए थे। और उसके बदले मौसी की ~~देखभाल~~ देखभाल करने के लिए जुम्मन ने वादा किया। लेकिन वह नहीं निभाया। इसके चरित्र से यह साफ पता चलता है कि जुम्मन एक लोभी आदमी था। परंतु जब उसे पंच बनाया गया वह सब कुछ भुलकर सत्य की साथ दिया। अर्थात् उसने एक ज्ञानी ~~व्यक्ति~~ व्यक्ति का परिचय दिया।

ख. समझू और अलगू चौधरी के बीच लड़ाई क्यों और कैसे हुई?

उ समझू साहू अलगू चौधरी से एक बैल खरीदा था। जिसका मूल्य एक महिने बाद देना तय हुआ था। ~~वह~~ समझू बैल को दाना पानी ठिक नहीं दिया ~~उसने~~ उपसे उससे बहुत काम करवाया। जिसकारण से बैल एक दिन मरगया। एक महिने बाद जब अलगू बैल का मोल मांगने गया तो समझू ने पैसे देने से मना कर दिया। उसी बात को लेकर दोनो में लड़ाई हुई।